विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 04-05-2021

वर्ग- अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

स्वास्थ्यैव धनम्

(विधिलिङ्लकारस्य पुनरावृत्तिः)

अध्यापकः - एतत् ज्ञात्वा दुःखम् अनुभवामि।

यह जानकर दुख होता है

वयं स्वास्थ्यस्य नियमानां पालनम् अवश्यं कुर्याम।

हम लोगों को स्वास्थ्य के नियमों को पालन अवश्य करना चाहिए।

ध्रुवः - आचार्य! के ते नियमाः? वयं ज्ञातुम् इच्छामः।

आचार्य ! 20 नियम क्या क्या है? हम लोग को जानने की इच्छा है।

अध्यापकः - संस्कृतसाहित्ये आयुर्वेदशास्त्र विषये विस्तरेण वार्णितम्।

संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद शास्त्र विषय में विस्तार रूप से वर्णन है।

प्रकाशः - आचार्यः! ग्रन्थस्य किं नाम अस्ति केन च रचितः अयं ग्रन्थः?

आचार्य! ग्रंथ के क्या- क्या नाम है। ग्रंथ का रचनाकार कौन है?

अध्यापकः - अयं महान् ग्रन्थः महर्षिणा चरकेण रचितः।

यह महान ग्रंथ महर्षि चरक द्वारा रचित है।

ग्रन्थस्य नाम 'चरकसंहिता' अस्ति।

ग्रंथ का नाम चरक संहिता है।

अद्यापि चिकात्सकाः एतं ग्रन्थं ज्ञानवर्धनाय स्वास्थ्यैव धनम् अस्ति।

आज भी चिकित्सक ग्रंथ को ज्ञान अर्जन के लिए पढ़ते है। स्वास्थ्यैव धनम् अस्ति। स्वास्थ्य ही धन है।

शरीरेण स्वस्थाः जनाः एव सुखम् अधिगन्तुम्, पठितुम्, क्रडितुम्, धनम् अर्जितुं देशं च उन्नयितुं समर्थाः भवन्ति ? ।

शरीर से स्वस्थ लोग ही सुख प्राप्त करते हैं पढ़ने के लिए खेलने के लिए धन अर्जन के लिए और देश की उन्नति के लिए समर्थ होते हैं।

अनादिका - आचार्य! स्वास्थ्यस्य रक्षायै वयं किं कुर्याम?

आचार्य! स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हम लोगों को क्या करना चाहिए?